# 9 'ए' की मात्रा ( े )

ए े

सेब

पेड़

केला

करेला

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| खेल | तेल | बेर | बेल | मेला | केला |
| ठेला | रेखा | सपने | अनेक | सवेरा | बसेरा |
| नेवला | ठठेरा | पहेली | सहेली | कपड़े | मेहनत |

**पढ़ो–**

महेश बाज़ार जाकर रेलगाड़ी लाया।
रेलगाड़ी छुक-छुक कर चली।
रेल सीटी बजा रही थी।
रेलगाड़ी लाल थी।
महेश रेलगाड़ी चला रहा था।
उसका मित्र दिनेश भी आ गया।
मुकेश तथा दिवेश भी आए।

**जोड़कर नए शब्द बनाओ-**

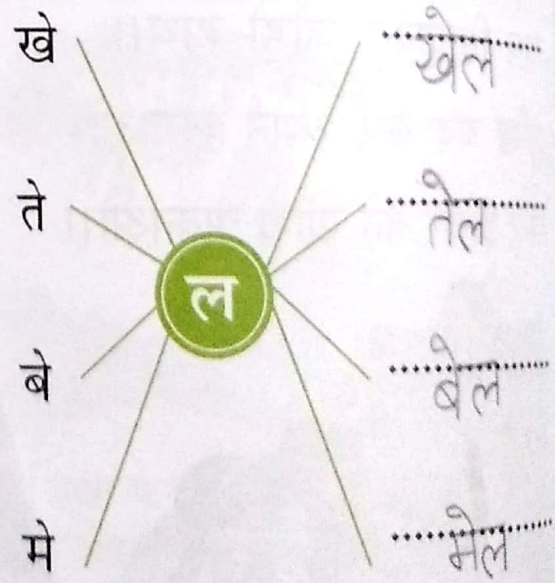




**संकेत**–अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से खाली [ ] में स्टीकर चिपकाने को कहें।

Scanned with CamScanner

# पीले-हरे फल

मेरी माताजी आज बाज़ार गईं। वे हमारे लिए लाल-लाल सेब, पीले-पीले केले, हरे-हरे बेर लाईं। सारे फल मिलाकर माताजी ने चाट बनाई। चाट खाकर हम सब बहुत खुश थे। पिताजी शाम के समय बाज़ार से करेले लाए। माताजी ने खाने के साथ पकाए हुए करेले भी दिए। पिताजी ने बताया करेले खाने से सेहत ठीक रहती है। कल हम रेलगाड़ी से मेरठ घूमने गए थे। मेरठ से हम रेवड़ी लाए। रेवड़ी बहुत मीठी थी।

## अभ्यास

1. चित्र के नाम पर ✓ लगाओ–

केला ○ सेब ✓ पेड़ा ○

करेला ✓ बेर ○ पेड़ ○

2. सही ✓ अथवा गलत ✗ का चिह्न लगाओ–

(क) माता जी सेब लाईं। ✓

(ख) पिताजी लाल केले लाए। ✗

(ग) फल की मिठाई बनी। ✗



Scanned with CamScanner

# सबने कुछ किया

दीदी मुझे लगी है भूख।
उछल-कूद कर खेला खूब।।
सेब काट फिर वह ले आई।
खाकर महेश ने भूख मिटाई।।

नेहा चल दी अब बाज़ार।
लेकर आई केले चार।।
सबने मिलकर केले खाए।
नाचते-गाते मेले आए।।
घर से अपने आई रेखा।
तब उसने मेला देखा।
खुशी-खुशी घूमी मिल-जुलकर।
फिर जाकर झूली झूले पर।।

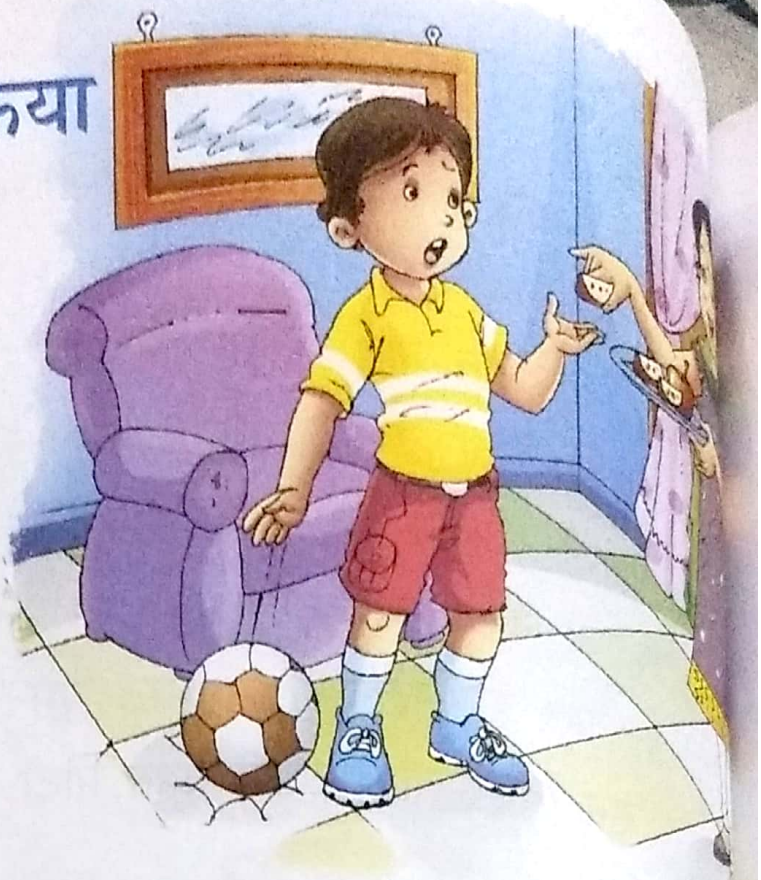

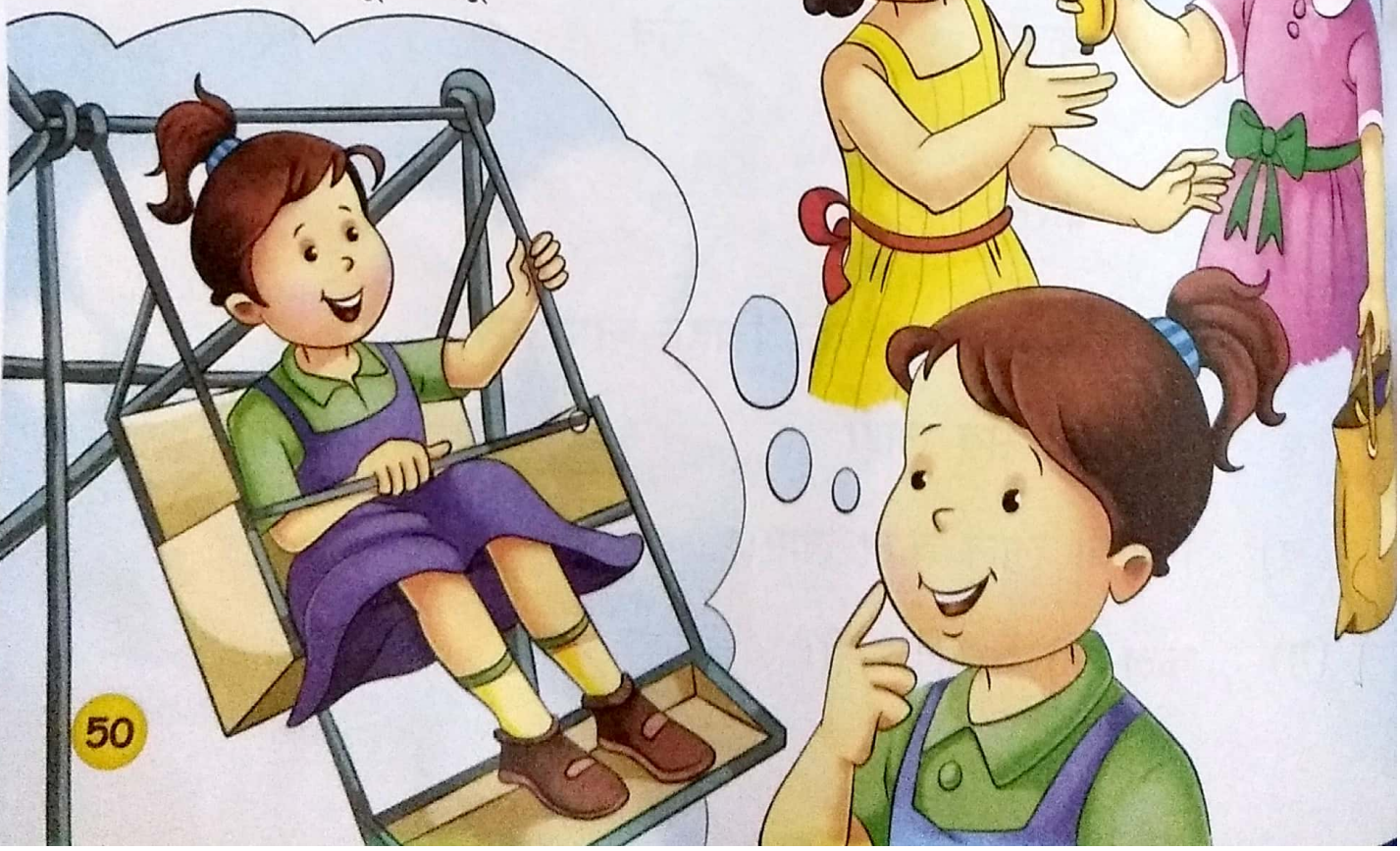



Scanned with CamScanner

# अभ्यास

## 1. चित्र देखकर शब्द लिखो–

(क) दीदी महेश के लिए ...सेब... लाई।

(ख) नेहा बाज़ार से ...केला... लाई।

(ग) रेखा ...झूले... पर झूली।

## 2. चुनकर ( ✓ ) का निशान लगाओ–

(क) उछल कूद कर कौन खेला? (दीदी / महेश)

(ख) नेहा कहाँ चल दी? (मेला / बाज़ार)

(ग) सब मेले में कैसे गए? (नाचते-गाते / रोते-धोते)

## 3. पढ़ो और समझो–

| एक | अनेक | एक | अनेक |
|---|---|---|---|
| 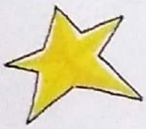 | | | |
| तारा | तारे | चूहा | चूहे |

### अब आप एक के अनेक लिखो–

केला – ...केले...

बेटा – ...बेटे...

मेला – ...मेले...

पेड़ा – ...पेड़े...

कपड़ा – ...कपड़े...

झूला – ...झूले...



Scanned with CamScanner